

न्यायालय, अनुमण्डल दण्डाधिकारी, वास।

दोपहरी के अन्तर्गत कार्यवाही

संख्या 30/2019

29/6/19

27/7/19

13/9

प्रथम पक्ष :- 1. शब्बीर असाही, 2. जलनाथ असाही, 3. हरीबल असाही पिता अताबुद्दीन असाही 4. अताबुद्दीन असाही स्व. सफरती असाही सा. मजूर था. करामार, वर्तमान पता से. 9/ए स्ट्रीट 1 क्वार्टर नं. 213, धाना हरला, जिला बोकारो।

बनाम :-

द्वितीय पक्ष :- 1. शब्बीर असाही 2. अलता असाही पिता भोथु असाही 3. लालू असाही पिता हनिफ असाही 4. गुड्डु असाही पिता लालू असाही सा. मजूर था. करामार वर्तमान पता से. 9/डी कुम्हार चौक के पास झोपड़ी, था. हरला, जिला बोकारो।

कार्यवाही

हरला था. अप्राथमिकी संख्या 02/19 जो पुलिस निरीक्षक सह था. पं. असाही से असाही से होकर इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है, का अवलोकन किया गया।

उपस्थित प्रतिवेदन के अवलोकन से यह ज्ञात होता है कि दोनों पक्षों के बीच छेड़खानी का गार पीट का लेकर विवाद है जिससे कभी भी विधि-व्यवस्था भंग होने का आशंका है। परिणामस्वरूप संवेद्य पुलिस पदाधिकारी ने दोनों पक्षों के विरुद्ध दोपहरी के अन्तर्गत निषेधाज्ञा कार्यवाही करने हेतु अनुशंसा की है ताकि शान्त-व्यवस्था बनाया जा सके।

अतः उपस्थित पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर दोनों पक्षों के विरुद्ध धारा 107 दोपहरी के कार्यवाही प्रारम्भ करती हूँ। साथ ही दोनों पक्षों को यह निदेश देता हूँ कि दिनांक 9.3.19 को सुनान 11.00 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर कारण-पृष्ठा यदि कोई भी नहीं करे कि क्या कभी एक वर्ष तक शांति बनाये रखने के लिए 5,000.00 (पाँच हजार) रुपये का बन्ध-पत्र अथवा राशि को दो प्रतिशतियों के साथ अर्पित करने का आदेश दिया जाय।

29/6/19

अनुमण्डल दण्डाधिकारी, वास।

9/3/19 सुनान का तामिल सिद्धांत।

दिनांक 10/04/19 का रखे

S.D.M

Chas

10/4/19 सुनान का तामिल प्राप्त

A/C
II

द्वि पक्ष के बीच खरी खदान का बाजरी 7/8
5/10 हे. समय का आवेदन है
दिनांक 24/5/19 का रखे

24/5/19

प्रथम पक्ष के अंतर से धारा 115 का
आवेदन है जिस - - किया जाता है।
दिनांक 29/6/19 का रखे

S.D.M

Chas

S.D.M
Chas

29/6/19 द्वितीय पक्ष के चार सदस्य का
धारा 115 का आवेदन है।
प्रथम पक्ष के अधिनियम अनुपालन।
दिनांक 27/7/19 को रखे।

27/7/19 उभय पक्ष अंतर्गत।
दिनांक 16/8/19 को रखे।

16/8/19 उभय पक्ष अंतर्गत।
दिनांक 13/9/19 को रखे।

13/9/19 द्वितीय पक्ष के चार सदस्य का धारा 115
का आवेदन है जिसे अस्वीकृत किया जा रहा है।
प्रठ पक्ष द्वारा वाद में अतिरिक्त
नहीं लेने के कारण वाद की कार्यवाही
समाप्त की जाती है।

(R)
13/9/19

धारा 115
पक्ष
दिनांक 27/7/19
उभय पक्ष
अंतर्गत

S.D.M
Chas